University in News on 06 November 2024

i-NEXT PAGE 4

टैगोर लाइब्रेरी खरीदेगा अपने टीचर्स की बुक्स

एलयू में लाइब्रेरी कमेटी की बैठक में लिया गया निर्णय

इन पर भी बनी सहमति

- ई-रिसोर्सेज में परिवर्तन लाते हुए नए ई-रिसोर्सेज, डेटा बेस एवं सापटवेयर छात्रों और शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाएगा.
- रीडिंग रूम में ऐसी अलमारी की व्यवस्था की जाएगी, जिसमें वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए किताबें रखी जा सकें.
- उपलब्ध किताबों के ऊपर आर एफ (रेडियो फ्रीक्वेंसी) आइडी लगाई जाएगी. इससे किताबें चोरी होने से बचेंगी.
- दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित किया जाएगा.

LUCKNOW (5 Nov) : लखनऊ विश्वविद्यालय का टैगोर पुस्तकालय वर्तमान में कार्यरत अपने शिक्षकों की किताबों को खरीदकर पुस्तकालय में डिस्प्ले के लिए रखेगा. यह सभी किताबें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए भी मिल सकेंगी. मंगलवार को टैगोर पुस्तकालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई लाइब्रेरी कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया.

लाइब्रेरी बनाने पर जोर

लाइब्रेरी कमेटी की बैठक में मानद लाइब्रेरियन टैगोर लाइब्रेरी प्रो. केया पांडेय सहित सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, समन्वयक एवं निदेशक शामिल हुए. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लाइब्रेरी को इस प्रकार विकसित किया जाना चाहिए जिससे उसका अधिक से अधिक उपयोग छात्र व शिक्षक कर सकें. प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में कार्यरत उन सभी शिक्षकों की किताबें उनके प्रकाशकों के माध्यम से खरीदी जाएंगी, जिन्होंने पुस्तक लेखन का कार्य किया है. प्रो. केया पांडेय ने कहा कि लगभग छह वर्षों के बाद होने वाले इस लाइब्रेरी कमेटी से टैगोर पुस्तकालय को विकसित करने में अत्यधिक सहायता होगी.

पुरानी किताबें भी डिस्प्ले में

तय हुआ है कि वीड आउट पालिसी के अंतर्गत जो किताबें क्षतिग्रस्त हो गई हैं. बहुत पुरानी होने की वजह से प्रयोग में नहीं लाई जा सकती हैं, उनको छात्र-छात्राओं के लिए डिस्प्ले में लगाया जाएगा. उन्हें उपलब्ध कराई जाएंगी. साथ ही महाविद्यालयों और शिक्षकों को दे दी जाएंगी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पीएचडी के लिए अब 15 तक करें आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी में दाखिले के लिए आवेदन फॉर्म भरने की तिथि बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी आगामी 15 नवंबर तक आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। पहले अंतिम तिथि पांच नवंबर तय की गई थी।

लविवि के प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने मंगलवार को पत्र जारी करते हुए आवेदन तिथि बढ़ाए जाने की सूचना दी। उनकी ओर जारी अधिसूचना में कहा गया है कि पीएचडी के अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। सामान्य और ओबीसी वर्ग के लिए आवेदन शुल्क दो हजार रुपये और एससी-एसएसटी के लिए एक हजार रुपये देय होगा। लखनऊ विवि ने 10 अक्तूबर को 42 विभागों की 927 पूर्णकालिक और 28 अंशकालिक सीटों के लिए विज्ञापन जारी किया था। (संवाद)

टैगोर लाइब्रेरी में उपलब्ध होंगी लविवि के शिक्षकों की किताबें

संवाद न्यूज एजेंसी

डेढ़ लाख किताबों का ब्योरा किया जाएगा ऑनलाइन

बैठक में बोलते कुलपति आलोक राय। संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखी किताबों को टैगोर लाइब्रेरी में अलग स्थान दिया जाएगा जिससे विद्यार्थी आसानी से उन किताबों को पढ़ सकेंगे। इसके साथ ही लाइब्रेरी की डेढ़ लाख किताबों का ब्योरा ऑनलाइन किया जा रहा है जिससे विद्यार्थी घर बैठे जानकारी हासिल कर सकेंगे।

कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में मंगलवार को टैगोर लाइब्रेरी में पुस्तकालय समिति की बैठक हुई। मानद लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडेय ने बताया कि बैठक में वर्तमान में विवि में कार्यरत उन सभी शिक्षकों की पुस्तकें डिस्प्ले में रखने पर चर्चा हुई, जिन्होंने पुस्तक लेखन का कार्य किया है। इससे परिसर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिल सकेगा।

बैठक में जिन प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई उनमें ई-रिसोर्सेज में बदलाव लाते हुए शिक्षकों और छात्रों को नए ई-रिसोर्सेज, डाटा बेस और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया जाना, रीडिंग रूम में ऐसी अलमारी की व्यवस्था होनी है जिसमें वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए पुस्तकों को रखा जा सके। पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों के ऊपर आरएफ आईडी लगाया जाना और किताबों का ब्योरा ऑनलाइन किए जाने जैसे बिंदु शामिल रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

टैगोर पुस्तकालय खरीदेगा शिक्षकों की किताबें

लखनऊ विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी कमेटी की बैठक में लिया निर्णय

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में लाइब्रेरी कमेटी की बैठक हुई। साथ में प्रति कुलपति प्रो. मनुज खन्ना व मानद लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडेय ● सौजन्य से लवि

जागरण संवाददाता ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का टैगोर पुस्तकालय वर्तमान में कार्यरत अपने शिक्षकों की किताबों को खरीदकर पुस्तकालय में डिस्प्ले के लिए रखेगा। यह सभी किताबें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए भी मिल सकेंगी। मंगलवार को टैगोर पुस्तकालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई लाइब्रेरी कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

लाइब्रेरी कमेटी की बैठक में मानद लाइब्रेरियन टैगोर लाइब्रेरी प्रो. केया पांडेय सहित सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, समन्वयक एवं निदेशक शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लाइब्रेरी को इस प्रकार विकसित किया जाना चाहिए जिससे उसका अधिक से अधिक उपयोग छात्र व शिक्षक कर सकें। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में कार्यरत उन सभी शिक्षकों की किताबें उनके प्रकाशकों के माध्यम से खरीदी जाएंगी, जिन्होंने पुस्तक लेखन का कार्य किया है। प्रो. केया पांडेय ने कहा कि लगभग छह वर्षों के बाद होने वाले इस लाइब्रेरी कमेटी से टैगोर पुस्तकालय को विकसित करने में अत्यधिक सहायता होगी।

इन पर भी बनी सहमति

- ई-रिसोर्सेज में परिवर्तन लाते हुए नए ई-रिसोर्सेज, डेटा बेस एवं सापटवेयर छात्रों और शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाएगा।
- रीडिंग रूम में ऐसे अलमारी की व्यवस्था की जाएगी, जिसमें वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए किताबें रखी जा सकें।
- उपलब्ध किताबों के ऊपर आर एफ (रेडियो फ्रीक्वेंसी) आइडी लगाई जाएगी। इससे किताबें चोरी होने से बचेंगी।
- दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित किया जाएगा।

पुरानी किताबें भी डिस्प्ले में लगेंगी : तय हुआ है कि वीड आउट पालिसी के अंतर्गत जो किताबें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बहुत पुरानी होने की वजह से प्रयोग में नहीं लाई जा सकती हैं, उनको छात्र-छात्राओं के लिए डिस्प्ले में लगाया जाएगा। उन्हें उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही महाविद्यालयों और शिक्षकों को दे दी जाएंगी।

पीएचडी के आवेदन 15 तक

जासं, लखनऊ : लवि ने सत्र 2024-25 के रेगुलर व पार्ट टाइम पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ा दी है। अभी तक 10 अक्टूबर से पांच नवंबर तक मौका दिया गया था। मंगलवार को प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने तिथि बढ़ाने का नोटिफिकेशन जारी किया। न्यूनतम अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। दाखिले के लिए अभी तक रेगुलर की 929 और पार्ट टाइम की 35 सीटें निर्धारित की गई हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है। दाखिले प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार की मेरिट के अनुसार होंगे।

नगर की महत्वपूर्ण खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

HINDUSTAN PAGE 7

पीएचडी के आवेदन 15 तक

एलयू ने सत्र 2024-25 के रेगुलर व पार्ट टाइम पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ा दी है. अभी तक 10 अक्टूबर से पांच नवंबर तक मौका दिया गया था. मंगलवार को प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने तिथि बढ़ाने का नोटिफिकेशन जारी किया. न्यूनतम अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. दाखिले के लिए अभी तक रेगुलर की 929 और पार्ट टाइम की 35 सीटें निर्धारित की गई हैं. विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है. दाखिले प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार की मेरिट के अनुसार होंगे.

एलयू: टैगोर लाइब्रेरी में रखी जाएंगी शिक्षकों की किताबें

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित टैगोर लाइब्रेरी अब शिक्षकों की पुस्तकों को खरीदकर लाइब्रेरी में डिस्प्ले करेगा। जिससे विद्यार्थी आसानी से अपने शिक्षकों की लिखी किताबों को पढ़ सकें। साथ ही जो पुस्तकें क्षतिग्रस्त या बहुत पुरानी हो गई हैं, उन्हें छात्रों के लिए डिस्प्ले में लगाया जाएगा। कॉलेजों और शिक्षकों को दे दी जाएंगी।

एलयू की टैगोर लाइब्रेरी में कुलपति की अध्यक्षता में मंगलवार को लाइब्रेरी कमेटी की बैठक का आयोजन हुआ। इसमें मानद लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडेय समेत कई संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक और शिक्षकों की उपस्थिति रही। बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में कार्यरत उन सभी शिक्षकों की पुस्तक डिस्प्ले में रखी जाएगी जिन्होंने पुस्तक लेखन का कार्य किया है। इससे यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं को सुविधा मिलेगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लाइब्रेरी को इस प्रकार विकसित किया जाना चाहिए जिससे उसका अधिक से अधिक उपयोग छात्र व शिक्षक कर सकें। मानद लाइब्रेरियन प्रोफेसर केया पांडेय ने कहा कि कुलपति की अगुवाई में लगभग छह वर्षों के बाद होने वाले इस लाइब्रेरी कमेटी से टैगोर पुस्तकालय को विकसित करने में अत्यधिक सहायता होगी।

इन प्रस्तावों पर भी मुहर

1. ई रिसोर्सेज में बदलाव लाते हुए अब शिक्षकों और छात्रों को नए ई रिसोर्सेज, डाटा बेस और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया जाएगा।
2. रीडिंग रूम में ऐसी अलमारी की व्यवस्था होगी जिसमें वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए पुस्तकों को रखा जा सके।
3. पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों के ऊपर आर.एफ. आईडी लगाई जाएगी।
4. दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विवि के शिक्षकों की पुस्तकें भी रखी जाएंगी पुस्तकालय में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मार्च निकालकर छात्रों ने की अपील

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। छात्रा आरुषी सिंह चौहान को खास तौर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इण्टर-कैम्पस कम्पेरेटिव परीक्षा के टॉप टेन छात्रों, विभिन्न कैम्पस के टॉपर छात्रों एवं शैक्षणिक क्षेत्र में लखनऊ का गौरव बढ़ाने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ ही व्यक्तित्व विकास की भी अनिवार्य आवश्यकता है। हजारों छात्रों ने गोमती नगर एक्सटेंशन स्थित मकदूमपुर पुलिस स्टेशन से गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस ऑडिटोरियम तक मार्च निकालकर भावी पीढ़ी के चरित्र निर्माण की पुरजोर आवाज बुलन्द की। संस्थापिका डॉ. भारती गांधी, प्रो. गीता गांधी किंगडन की अगुवाई की निकाले गये मार्च में सभी कैम्पस की प्रधानाचार्या, शिक्षा, समाज, साहित्य व पत्रकारिता जगत की हस्तियों ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में लाइब्रेरी कमेटी की बैठक कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में कार्यरत उन सभी शिक्षकों की पुस्तक डिस्प्ले में रखी जाएगी जिन्होंने पुस्तक लेखन का कार्य किया है। इससे यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं इस सुविधा का भी उपभोग कर पाएंगे। इसके अलावा जो पुस्तकें क्षतिग्रस्त हो गई है और बहुत पुरानी हैं। उनको छात्रों के लिए डिस्प्ले में लगाई जाएगी। ई रिसोर्सेज में परिवर्तन लाते हुए नए ई रिसोर्सेज, डेटा बेस, एवं सॉफ्टवेयर छात्रों और शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाएगा। रीडिंग रूम में ऐसी अलमारी की व्यवस्था की जाएगी जिसमें वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए पुस्तकों को रखा जाएगा जो बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो। पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों के ऊपर आर एफ आईडी लगाई जाएगी। दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित किया जाएगा जिससे उनका क्षय होने से रोका जा सके।

HT PAGE 4

LU library to showcase faculty books

LUCKNOW : Lucknow University's library committee has decided to display books authored by faculty for student access. As part of the weed-out policy, the damaged and outdated books will also be available for reading and may be allocated to teachers and colleges. It was also decided that new e-resources, databases, and software will be introduced, and books on various subjects and inspirational figures will be organised in the reading room to benefit students.

LOKSATYA PAGE 2

एलयू के शिक्षकों की पुस्तकें होंगी डिस्पले, स्टूडेंट्स करेंगे अध्ययन

पहल

- टैगोर पुस्तकालय में लाइब्रेरी कमेटी की हुई बैठक

■ जिससे उसका अधिक से अधिक उपयोग छात्र और शिक्षक कर सकें। मानद लाइब्रेरियन टैगोर लाइब्रेरी प्रो केया पांडेय ने कहा कि कुलपति जी के नेतृत्व में लगभग 6 वर्षों के बाद होने वाले इस लाइब्रेरी कमेटी से टैगोर पुस्तकालय को विकसित करने में अत्यधिक सहायता होगी। लाइब्रेरी कमेटी कि इस बैठक में समस्त डीन, हेड, निदेशक और समन्वयक उपस्थित थे।

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में लाइब्रेरी कमेटी की बैठक कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में कार्यरत उन सभी शिक्षकों की पुस्तक डिस्प्ले में रखी जाएंगी, जिन्होंने पुस्तक लेखन का कार्य किया है। अध्ययनरत छात्र छात्राएं इस सुविधा का भी उपभोग कर पाएंगे। इसके अतिरिक्त निम्न बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। जिसमे वीड आउट पॉलिसी के अंतर्गत जो पुस्तकें क्षतिग्रस्त हो गई है और बहुत पुरानी हैं, प्रयोग में नहीं लाई जा सकती हैं। उनको छात्रों के लिए डिस्प्ले में लगाई जाएगी, उनको उपलब्ध कराई जाएंगी और महाविद्यालयों और शिक्षकों को दे दी जाएंगी। ई-रिसोर्सेज में परिवर्तन लाते हुए नए ई-रिसोर्सेज, डेटा बेस, एवं सॉफ्टवेयर छात्रों और शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाएगा।

रीडिंग रूम में ऐसे अलमारी की व्यवस्था की जाएगी। जिसमें वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए पुस्तकों को रखा जाएगा।